फूल और फल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- चित्र पर कहानी/चर्चा; चित्र में क्या-क्या है? पहले पौधे में क्या आता है? फिर क्या? .....फल के अंदर क्या होता है?
- सबसे लंबा पौधा..... सबसे छोटी तितली कौन-सी है? पहले पौधे पर कितने फल, फूल, पत्ती हैं? दूसरे पर... तीसरे पर? चौथे पर? ऐसे सवाल भी पूछना जिसका उत्तर कुछ नहीं हो और 0 का परिचय देना। संख्याओं के अंक-कार्ड ढुँढवाने..... का भी परिचय देना।
- सबसे अधिक फल..... सबसे कम पत्तियाँ..... किस पौधे पर हैं? ऐसे सवाल पूछना।
- चित्र में और चीज़ें जोड़ना (कहानी या निर्देशों के अनुसार)।
- किसी पौधे को बढ़ते हुए देखना; कब फूल आये, कब पत्ती आदि।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

फूल और फल

बाज़ार

आडर बाडर लगा बाज़ार
लोग हैं आए खूब हज़ार।

हल्दी सब्ज़ी मटका अचार
बैठ करे हैं सोच विचार।

भीड़ मड़क्का धक्कम धक्का
ठाका ठम्मम झम्मम झटका।

गुड़ की भेली हक्का बक्का
बगरी मिर्ची फूटा मंटका

रोई सब्जी, रोया अचार
लोग भी रोए खूब हज़ार।

बाज़ार

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों के कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- कविता हाव-भाव व एक्शन के साथ गाना। बोर्ड पर लिखकर उंगली रखकर कविता पढ़ना।
- बाज़ार पर कहानी, चर्चा, रोल प्ले; खिलौना तराजू से तौलने-खरीदने बेचने के अभ्यास, जिसमें नोट व सिक्के बनाना।
- चित्र पर चर्चा? क्या-क्या है? कितनी फिरकनी..... कितने गुब्बारे? कौन-सी चीज़ कम है, कौन-सी ज़्यादा..... आदि।
- कविता पर चित्र बनाना।
- शब्द पहचान; शब्दों से वाक्य बनाना।
- अक्षर पहचान व मात्रा पहचान। जैसे र,री,रे,रो बाद में अधिक अक्षर व मात्रा से शब्द बनाना। (पृष्ठ 39 और 57 जैसे अभ्यास करें)

नोट- कविता में पढ़ने और पढ़ने पूर्व तैयारी के लिये काफी संभावनाएँ हैं।
पढ़ने के अभ्यासों से पहले कई मौखिक गतिविधियाँ कराना ज़रूरी हैं।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

आगे बढ़ाओ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- तीलियों, कंकड़ों से इस प्रकार के क्रम में पैटर्न बनाना।
- खाली जगह पर क्रम से आकृतियाँ आगे बढ़ाना; पहले ठोस वस्तुओं से फिर पेंसिल से।
- नए क्रम वाले पैटर्न बनाना जैसे ○○□○○ आदि। फिर उन्हें दूसरी जगह पर छोड़ना जैसे ||=||=|| यह क्रम = से वापस शुरू होगा।
- शिक्षक के निर्देशानुसार पैटर्न बनाना जैसे दो पत्ती खड़ी, एक कंकड़, एक तीली आड़ी, दो पत्ती खड़ी।
- पैटर्न पूरा होने के बाद जिन वस्तुओं या चित्रों से पैटर्न बना है, उन्हें गिनना जैसे कितनी लाईनें कितने गोले?
- दिशा वाले और पैटर्न बनाना जैसे ∩ ∪, → ← आदि।
- आसपास की वस्तुओं, घटनाओं में क्रम का अवलोकन व उस पर बातचीत जैसे फूलों में अंखुड़ियों व पंखुड़ियों का क्रम, डाल पर पत्तों का क्रम, फली में बीजों का क्रम (अक्सर डाल पर पत्तियां और फली में बीज, एक एक तरफ और दूसरा दूसरी तरफ होते हैं)। सुबह, दोपहर, शाम, रात का क्रम।

नोट- क्रम पूरे जीवन में समझने का एक प्रमुख आधार है। अतः आसपास क्रम देखना, क्रमिक निर्देशों से काम करना आदि बहुत महत्वपूर्ण अनुभव हैं।

- दिशा दूसरी महत्वपूर्ण अवधारणा है। इस पन्ने पर दिये गये पैटर्न ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ के हिसाब से भी हैं; किस तरफ मुँह खुला है, किस तरफ बंद यह ध्यान रखना ज़रूरी है। बताने की बजाए ऐसे अनुभव के मौके देने से उल्टा लिखने की समस्या अपने आप ठीक होने लगेगी।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

आगे बढ़ाओ

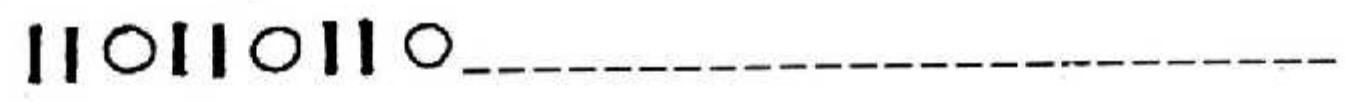

मगर भैया को
1 पर मिली लड़की
2 पर मिली मछली

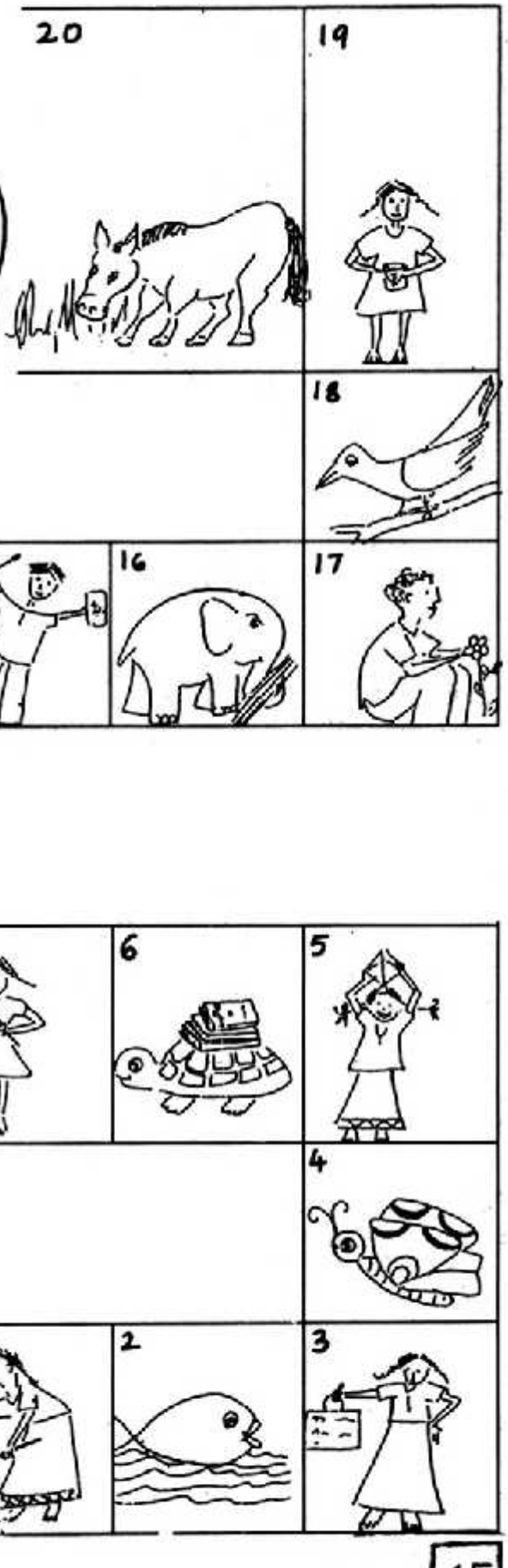

मगर भैया

सुझाई गई-गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा; मगर को पहले घर में क्या मिला, दूसरे घर में क्या, अगले घर में क्या? जानवर किन घरों में हैं, लड़की किन घरों में? कितनी लड़कियाँ, लड़के, जानवर, चिड़िया आदि हैं। कछुए के बाद दूसरे घर में क्या मिला, खरगोश के एक घर पहले क्या है? आदि।
- चित्रों के शब्द-कार्ड ढूँढना, शब्द पहचान।
- पृष्ठ 38 के अभ्यास कराएँ।
- मीनू और मगर जैसी कहानी को चित्रों के हिसाब से परिवर्तित करके सुनाएँ।
- पासे या चिए से खेल खेलें; पहले साधारण तरीके से जितने आए उतने घर आगे बढ़ना, फिर नियम बदल कर जैसे लड़की आने पर दो घर और आगे बढ़ें, जानवर मिलने पर एक चाल छोड़ दें या दुगने चाल (पांसे न होने पर चियों का उपयोग करें, 5 या 6 चियें ले सकते हैं। जब सब चिए ओंधे गिरे तो दस नहीं, शून्य गिना जाए)।

नोट- संख्या की दो तरह की अवधारणाएँ होती हैं। एक मात्रात्मक और एक क्रमात्मक। मात्रात्मक यानी (कितने) और क्रमात्मक यानी (कौन सा पहला, दूसरा, तीसरा आदि)। इस पन्ने में क्रमात्मक अवधारणा पर ज़ोर है। यदि कुछ बच्चों को इन दोनों अवधारणाओं के बीच भ्रम होता है, तो बातचीत के माध्यम से इसे दूर करने का प्रयास करें। वैसे आमतौर पर यदि दोनों तरह के अनुभव के मौके बच्चों को दिए जाएँ तो वे स्वयं दोनों अवधारणाएँ विकसित कर लेंगे।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?